International Journal of Humanities and Social Science Invention (IJHSSI)
ISSN (Online): 2319 – 7722, ISSN (Print): 2319 – 7714
www.ijhssi.org ||Volume 8 Issue 07 Ser. I || July 2019 || PP 72-75

हाईस्कूल स्तर पर पालकों की शैक्षिक अभिवृत्ति का उनके पाल्यों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

डॉ शुचि मित्तल,
विभागाध्यक्ष, गृह विज्ञान विभाग,
एसडी पीजी कॉलेज, मुजफ्फरनगर, यूपी

सारांश

माता-पिता तथा शिशु इन तीनों को मिलाकर बनने वाली परिवाररूपी प्राथमिक इकाई, शिशु के चरित्र निर्माण का प्रथम प्रशिक्षण क्षेत्र है। माता -पिता का शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण आरंभ से ही बच्चे की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करता है। शिक्षित माता -पिता अपने बच्चों की शिक्षा को लेकर चिंतित रहते हैं जिसका प्रभा व उनके बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि पर भी पड़ता है। दूसरी ओर अशिक्षित माता -पिता भी बदलते परिवेश में अपने बच्चों की शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। साथ ही शिक्षित व अशिक्षित पालक अपनी बच्चियों को भी शिक्षित कर रहे हैं , ताकि वे अपना भविष्य संवार सकें। प्रस्तुत अध्ययन उपरोक्त कथनों की समीक्षा करता है।

प्रस्तावना (Introduction) -

बालक परिवार में जन्म लेता है। वहीं वह उठना -बैठना, दौड़ना, चलना, खाना-पीना सभी कुछ सीखता है। भाई -बहन से बात करना, माता-पिता, अतिथि आदि का आदर करना, ये सभी गुण वह परिवार से सीखता है। परिवार में उसे व्याख्यान नहीं दिये जाते, बल्कि वह सिद्धांतों का प्रायोगिक साक्षात्कार करता है। महामना पं. मदन मोहन मालवीय कहा करते थे कि "मैंने परिवार से बचपन में जो कुछ सीखा, वहीं मेरी असली शिक्षा है।"

माता-पिता का शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण (अभिवृत्ति) बालक की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करती है। युवा बालक के विवेक और सदगुणों का स्वरूप माता-पिता की शिक्षा के प्रति रूचि और विश्वास द्वारा प्रभावित होता है, उसे रचनात्मकता प्रदान करता है जिससे विद्यार्थी विद्यालयों के सामाजिक परिवेश में अपने आप को समायोजित करने में सक्षम महसूस करता है तथा इसका प्रभाव उसकी उपलब्धि पर दिखाई देता है।

शोध के उद्देश्य (Objectives of the Study) – शोध के उद्देश्य निम्नानुसार हैं -

1. शिक्षित अभिभावकों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
2. अशिक्षित अभिभावकों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
3. शिक्षित अभिभावकों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का बालक/बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
4. अशिक्षित अभिभावकों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का बालक /बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभा व का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ (Hypotheses) - शोध के लिए निम्नलिखित परिकल्पनाएँ निर्मित की गयीं -

1. शिक्षित पालकों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति एवं उनके बालकों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सह संबंध पाया जायेगा।
2. शिक्षित पालकों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति एवं उनकी बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सह संबंध पाया जायेगा।
3. अशिक्षित पालकों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति एवं उनकी बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य ऋणात्मक सह संबंध पाया जायेगा।
4. अशिक्षित पालकों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति एवं उनकी बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य ऋणात्मक सहसंबंध पाया जायेगा।
5. शिक्षित एवं अशिक्षित पालकों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सार्थक अंतर पाया जायेगा।
6. शिक्षित एवं अशिक्षित पालकों के पाल्यों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अंतर पाया जायेगा।

परिसीमन (Delimitation) – यह शोध निम्नलिखित से परिसीमित है -मुज़फ्फरनगर जिले के चार शासकीय हाईस्कूलों की कक्षा 9वीं 10वीं के छात्रों तथा उनके पालकों तक।

शोध प्रक्रिया (Research Process)

- **शोध विधि (Research Method)** – इस अध्ययन हेतु वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।
- **न्यादर्श (Sample)** – प्रस्तुत शोध हेतु यादृच्छिक न्यादर्शन चयन विधि का प्रयोग कर निम्नानुसार विद्यार्थियों का चयन किया गया

क्र.	विद्यालय	कक्षा	छात्र/छात्रायें	माता/पिता
1.	बरला इंटर कॉलेज बरला ,	9वीं	16-16	30
2.	प्राणनाथ इंटर कॉलेज, पुरकाज़ी	9वीं	16-16	30
3.	राष्ट्रीय इंटर कॉलेज, शाहपुर,	10वीं	16-16	30
4.	जयभारत इंटर कॉलेज छपार	10वीं	16-16	30
	कुल योग 04 विद्यालय		64 छात्र 64 छात्रायें	120 पालक

उपकरण (Tools) – प्रस्तुत शोध अध्ययन में आँकड़ों के संकलन हेतु निम्नलिखित उपकरणों का प्रयोग किया गया है -

1. पालकों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति मापनी – इस उपकरण में कुल 10 प्रश्न हैं जिन पर अपना मत तीन बिन्दुओं पर देना है।
2. शिक्षकों के लिए अभिवृत्ति मापनी – जिसमें कुल 15 प्रश्न दिये गए हैं।
3. विद्यार्थियों के लिए प्रश्नावली-स्वनिर्मित
4. शैक्षिक उपलब्धि – शालेय परीक्षा प्राप्तांक।

चर (Variables)- प्रस्तुत शोध में चरों का वर्गीकरण निम्नानुसार किया गया है -

1. स्वतंत्र चर - पालकों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति
2. आश्रित चर – शैक्षिक उपलब्धि

सांख्यिकीय विश्लेषण (Statistical Operations) – प्रस्तुत शोध में सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु मध्यमान , मानक विचलन, मध्यमान के अंतर की सार्थकता (t मान) तथा सह संबध की गणना की गयी।

परिकल्पना क्रमांक – 01 "शिक्षित पालकों की अभिवृत्ति एवं उनके बालकों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसंबंध पाया जाएगा।"

सारिणी क्रमांक – 01

क्र.	प्रदत्त	संख्या	मध्यमान	सहसंबंध	स्तर
1.	शिक्षित पालकों की अभिवृत्ति	40	27.65	0.96	उच्च धनात्मक सह संबंध
2.	उनके बालकों की शैक्षिक उपलब्धि	40	26.57		

सारिणी के अनुसार पालकों की अभिवृत्ति एवं उनके बालकों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य + 0.96 सह संबंध पाया गया। चूंकि सहसंबंध अति उच्च धनात्मक सहसंबंध की श्रेणी में आता है। अतः परिकल्पना क्रमांक – 01 स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना क्रमांक – 02 "शिक्षित पालकों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति एवं उनकी बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सह संबंध पाया जायेगा।"

सारिणी क्रमांक - 02

क्र.	प्रदत्त	संख्या	मध्यमान	सहसंबंध	स्तर
1.	शिक्षित पालकों की अभिवृत्ति	23	29	0.8	अति उच्च धनात्मक सह संबंध
2.	उनके बालकों की शैक्षिक उपलब्धि	23	26		

सारिणी के अनुसार शिक्षित पालकों की शैक्षिक अभिवृत्ति एवं उनके पाल्यों (बालिकाओं) की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध 0.95 पाया गया। चूंकि यह सहसंबंध उच्च धनात्मक सहसंबंध की श्रेणी में आता है। अतः परिकल्पना क्रमांक – 02 स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना क्रमांक – 03 "अशिक्षित पालकों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति एवं उनके बालकों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य ऋणात्मक सह संबंध पाया जायेगा।"

सारिणी क्रमांक – 03

क्र.	प्रदत्त	संख्या	मध्यमान	सहसंबंध	स्तर
1.	शिक्षित पालकों की अभिवृत्ति	23	29	0.8	अति उच्च धनात्मक सह संबंध
2.	उनके बालकों की शैक्षिक उपलब्धि	23	26		

उपरोक्त सारिणी के अनुसार अशिक्षित पालकों की शैक्षिक अभिवृत्ति एवं उनके बालकों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 0.8 अति उच्च धनात्मक सह संबंध पाया गया। अतः परिकल्पना क्रमांक – 03 अस्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना क्रमांक – 04 "अशिक्षित पालकों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति एवं उनकी बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य ऋणात्मक सह संबंध पाया जायेगा।"

सारिणी क्रमांक-04

क्र.	प्रदत्त	संख्या	मध्यमान	सहसंबंध	स्तर
1.	अशिक्षित पालकों की अभिवृत्ति	42	24.1	0.7	उच्च धनात्मक सह संबंध
2.	उनकी बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि	42	24.3		

अशिक्षित पालकों की शैक्षिक अभिवृत्ति एवं उनकी बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 0.7 सह संबंध पाया गया जो उच्च धनात्मक सहसंबंध की श्रेणी में आता है। अतः परिकल्पना क्रमांक – 04 अस्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना क्रमांक – 05 "शिक्षित पालकों एवं अशिक्षित पालकों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सार्थक अंतर पाया जायेगा।"

सारिणी क्रमांक-05

क्र.	प्रदत्त	संख्या	मध्यमान	विचलन	प्रमाणिक त्रुटि	df
1.	शिक्षित पालकों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति	63	34.95	0.94	11.69	126
2.	अशिक्षित पालकों की शैक्षिक उपलब्धि शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति	65	23.96			

गणना से प्राप्त क्रांतिक अनुपात मान 11.69 है जो 0.05 विश्वास स्तर तथा 126 df पर सारिणी मान से अधिक है। शिक्षित पालकों एवं अशिक्षित पालकों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सार्थक अंतर स्पष्ट परिलक्षित हो रहा है। उपर्युक्त परिकल्पना क्रमांक -05 स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना क्रमांक – 06 "शिक्षित तथा अशिक्षित पालकों के पाल्यों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर पाया जायेगा।"

सारिणी क्रमांक - 06

क्र.	शैक्षिक उपलब्धि	कुल छात्र	मध्यमान	विचलन	प्रमाणिक त्रुटि	कांतिक अनुपात	df
1.	शिक्षित पालकों के पाल्य	63	27.96	5.61	0.80	2.76	126
2.	अशिक्षित पालकों के पाल्य	65	25.20	4.82			

गणना से प्राप्त क्रांतिक अनुपात मान 2.76 है जो 0.05 विश्वास स्तर तथा 126 df पर सारिणी मान से अधिक है। अतः शिक्षित एवं अशिक्षित पालकों के पाल्यों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर पाया गया। अतः परिकल्पना क्रमांक – 06 स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष (Conclusion) – प्रस्तुत लघु शोध में संकलित आँकड़ों के सांख्यिकी विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष निम्नलिखित हैं –

1. शिक्षित/अशिक्षित पालकों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का असर उनके पाल्यों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ता है।
2. शिक्षित तथा अशिक्षित दोनों पालक अपनी बालिकाओं की शिक्षा के प्रति सजग हैं।
3. शिक्षित व अशिक्षित पालकों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में अन्तर दिखाई देता है। शिक्षित पालकों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति अधिक पायी गयी।
4. शिक्षित व अशिक्षित पालकों के पाल्यों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर है शिक्षित पालकों के पाल्यों की शैक्षिक उपलब्धि अधिक है।

सुझाव (Suggestions) - शोध निष्कर्षों के आधार पर निम्नांकित सुझाव प्रस्तुत हैं –

1. पालकों को अपने बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि की जानकारी नियमित रूप से दी जाए।
2. पालकों की शैक्षिक अभिवृत्ति को बढ़ाने एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।
3. पालकों को शालेय गतिविधियों से जोड़ने हेतु प्रयास किए जाएँ।

संदर्भ (References) -

1. साहू , महेश कुमार (2004-05) : + 2 स्तर पर विद्यार्थियों के पालकों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण का उनकी शैक्षिक अभिवृत्ति तथा समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।
2. मेश्राम, अरूण कुमार (2010-11) : पालकों की अभिवृत्ति का पाल्यों की अध्ययन आदत पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।
3. हूवर-डेम्पसी, के., और सैंडलर, एच. (2005)। माता-पिता की भागीदारी का सामाजिक संदर्भ: उन्नत उपलब्धि का मार्ग। अंतिम रिपोर्ट OERI/IES अनुदान संख्या R305T010673। नैशविले, टीएन: वेंडरबिल्ट यूनिवर्सिटी।

4. हॉट्ज़, वी। जे।, और पैंटानो, जे। (2015)। रणनीतिक पालन-पोषण, जन्म क्रम और स्कूल का प्रदर्शन। जे पॉपुल। इकोन। 28, 911-936। डीओआई: 10.1007/एस00148-015-0542-3
5. जेनेस, डब्ल्यूएच (2012)। शहरी छात्रों के लिए विभिन्न प्रकार के माता-पिता की भागीदारी कार्यक्रमों की प्रभावकारिता का मेटा-विश्लेषण। शहरी शिक्षा। 47, 706-742। डोई: 10.1177/0042085912445643
6. आर जेनेस, डब्ल्यूएच (2016)। एक मेटा-विश्लेषण: माता-पिता की भागीदारी और लातीनी छात्र परिणामों के बीच संबंध। शिक्षा. शहरी समाज। 49, 4-28। डोई: 10.1177/0013124516630596
7. मा, एक्स।, शेन, जे।, केरेन, एच। वाई।, हू, एस।, और युआन, जे। (2016)। प्रारंभिक बचपन की शिक्षा और प्रारंभिक प्रारंभिक शिक्षा के दौरान सीखने के परिणामों और माता-पिता की भागीदारी के बीच संबंधों का एक मेटा-विश्लेषण। शिक्षा. साइकोल। रेव. 28, 771–801. डोई: 10.1007/एस10648-015-9351-1
8. पेरेज़ सांचेज़, सी.एन., बेटनकोर्ट मोंटेसिनोस, एम।, और कैबरेरा रोड्रिग्ज, एल। (2013)। शैक्षणिक उपलब्धि में पारिवारिक प्रभाव: कैनरी द्वीप समूह का एक अध्ययन। रेव। इंट। सामाजिक। 71, 169-187. डीओआई: 10.3989/रिस.2011.04.11
9. रेनिंगर, टी। (2014)। चिली में म्यूनिसिपल स्कूलों में माता-पिता की भागीदारी: माता-पिता शामिल होने का चुनाव क्यों करते हैं? पीएच.डी. शोध प्रबंध, फोर्डहम यूनिवर्सिटी ग्रेजुएट स्कूल ऑफ सोशल सर्विस, न्यूयॉर्क, एनवाई।
10. रॉस, टी। (2016)। हाई स्कूल पूरा होने और माध्यमिक उपस्थिति के बाद माता-पिता की भागीदारी का अंतर प्रभाव। शिक्षा. नीति गुदा। आर्क। 24, 1-38. डोई: 10.14507/epaa.v24.2030
11. रोथ ईचिन, एन।, और वोलांटे बीच, पी। (2018)। Liderando alianzas entre escuelas, familias y comunidades: un revisión sistemática. रेव। कंप्यूट। शिक्षा. 29, 595-611। डोई: 10.5209/RCED.53526
12. साराकोस्टी-श्वार्ट्जमैन, एम। (2013)। फ़मिलिया, एस्कुएला और कोमुनिदाद I: उना अलियांज़ा नेसेसेरिया पैरा अन मॉडलो डी इंटरवेन्सियन बायोप्सिकोसोशल पॉजिटिव। सैंटियागो: संपादकीय यूनिवर्सिटीरिया।
13. शूएलर, बी.ई., मैकइंटायर, जे.सी., और गेहलबैक, एच। (2017)। परिवार-विद्यालय जुड़ाव के माता-पिता की धारणाओं को मापना: नए सर्वेक्षण उपकरणों का विकास। एसएच. कम्युन। जे 27, 275-301।